

युवा शक्ति और कृषि का संगम: चुनौतियाँ एवं समाधान

संदीप चौहान एवं योगेश कुमार

कृषि विज्ञान केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, अनूपपुर (म.प्र.)

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ आज भी लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर निर्भर है। परंतु विडंबना यह है कि देश का युवा वर्ग—जो राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है—तेजी से कृषि से विमुख हो रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) के आँकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में कृषि कार्यबल में 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी वर्षों में देश की खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक संतुलन गंभीर संकट में पड़ सकता है।

"जब युवा का हाथ हल पकड़ेगा, तब भारत की असली तरक्की होगी।"

प्रस्तुत लेख में युवाओं के कृषि से दूर होने के कारणों का विश्लेषण किया गया है और साथ ही उन व्यावहारिक समाधानों पर प्रकाश डाला गया है जिनसे युवा शक्ति को पुनः खेती, ग्रामीण उद्यमिता और कृषि-आधारित आजीविका से जोड़ा जा सकता है।

1. युवा और कृषि: बढ़ती दूरी के कारण

युवा वर्ग का कृषि से विमुख होना एक जटिल सामाजिक-आर्थिक प्रक्रिया है। इसके पीछे अनेक कारण हैं जिन्हें समझे बिना समाधान संभव नहीं:

आर्थिक कारण:

- ✓ खेती में अनिश्चित और कम आय – किसानों की औसत मासिक आय अभी भी अन्य व्यवसायों की तुलना में कम है
- ✓ बाजार मूल्य की अस्थिरता – कभी ऊँचा दाम, कभी लागत भी न निकलना
- ✓ उत्पादन लागत में निरंतर वृद्धि – खाद, बीज, डीजल और श्रम लागत
- ✓ कृषि ऋण और कर्ज का बोझ – छोटे किसानों पर आर्थिक दबाव

सामाजिक कारण:

- ✓ खेती को 'पिछड़े लोगों का काम' मानने की गलत सामाजिक धारणा
- ✓ शहरी जीवनशैली का बढ़ता आकर्षण और सोशल मीडिया का प्रभाव
- ✓ शिक्षित युवाओं में 'व्हाइट कॉलर जॉब' की मानसिकता
- ✓ गाँव में सामाजिक सुविधाओं और मनोरंजन का अभाव

संरचनात्मक कारण:

- ✓ भूमि विखंडन – औसत जोत का लगातार छोटा होते जाना
- ✓ आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण तक सीमित पहुँच
- ✓ ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट, स्वास्थ्य और शिक्षा की अपर्याप्त सुविधाएँ



✓ जलवायु परिवर्तन के कारण खेती में बढ़ता जोखिम

2. युवा शक्ति की असीमित संभावनाएँ

भारत दुनिया का सबसे युवा देश है – यहाँ 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) कृषि क्षेत्र के लिए एक अभूतपूर्व अवसर है। युवाओं में वे सभी गुण हैं जो आधुनिक कृषि को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं:

✓ डिजिटल साक्षरता – नई तकनीक को तेजी से सीखने और अपनाने की क्षमता

✓ उद्यमशीलता – जोखिम उठाने और नवाचार करने का साहस

✓ बाजार समझ – ऑनलाइन व्यापार, ब्रांडिंग और उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी

✓ ऊर्जा और उत्साह – नए प्रयोग करने की लगन

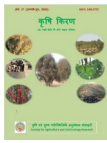
✓ वैज्ञानिक दृष्टिकोण – डेटा आधारित निर्णय लेने की प्रवृत्ति

यदि इस युवा शक्ति को कृषि से जोड़ा जाए तो भारत न केवल खाद्य सुरक्षित बनेगा, बल्कि कृषि निर्यात में भी वैश्विक नेता बन सकता है।

3. चुनौतियाँ एवं समाधान: एक तुलनात्मक दृष्टि

निम्नलिखित तालिका में प्रमुख चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए गए हैं:

चुनौती	समाधान
कृषि को पिछड़ा व्यवसाय मानना	एग्री-एंटरप्रेन्योरशिप और सफल युवा किसानों के मॉडल प्रस्तुत करना
कम आय और अनिश्चित बाजार मूल्य	FPO, eNAM और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की पूर्ण उपलब्धता
भूमि विखंडन और छोटी जोत	सामूहिक खेती, लीज़ मॉडल और क्लस्टर आधारित खेती
तकनीकी जानकारी का अभाव	KVK, ATMA और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण
ऋण एवं पूँजी की कमी	MUDRA, KCC, RKVY-RAFTAAR और कृषि स्टार्टअप फंड
गाँव में बुनियादी सुविधाओं की कमी	PM Gram Sadak, BharatNet और पीएम आवास



चुनौती	समाधान
	योजना का विस्तार
जलवायु परिवर्तन व अनिश्चित वर्षा	जल संरक्षण, ड्रिप सिंचाई और जलवायु-अनुकूल फसल किस्में

4. कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के उपाय

(अ) उच्च मूल्य फसलें एवं विविधीकरण:

- ✓ औषधीय एवं सुगंधित पौधे – तुलसी, लेमनग्रास, पचौली, अश्वगंधा (उच्च बाजार मूल्य)
- ✓ मशरूम उत्पादन – कम भूमि में अधिक लाभ, शहरी बाजार में भारी माँग
- ✓ स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, एवोकाडो – निर्यात योग्य बागवानी फसलें
- ✓ संरक्षित खेती (पॉलीहाउस, नेटहाउस) – मौसम की मार से बचाव
- ✓ हाइड्रोपोनिक्स एवं एरोपोनिक्स – बिना मिट्टी की आधुनिक खेती

(ब) प्रौद्योगिकी एकीकरण:

- ✓ ड्रोन आधारित सर्वे, स्प्रे और फसल स्वास्थ्य निगरानी
- ✓ IoT सेंसर और AI आधारित सिंचाई प्रबंधन प्रणाली
- ✓ मोबाइल ऐप्स – Kisan ATMA App, Crop Care, Agri Market
- ✓ सैटेलाइट आधारित मृदा विश्लेषण और फसल बीमा
- ✓ स्वचालित मौसम केंद्र और अग्रिम चेतावनी प्रणाली

(स) मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण:

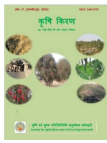
- ✓ जैम, जूस, अचार, मुरब्बा, हर्बल उत्पाद – मिनी प्रोसेसिंग यूनिट
- ✓ अपनी ब्रांडिंग और पैकेजिंग – 'किसान-से-सीधे' (Farm to Fork) मॉडल
- ✓ FSSAI पंजीकरण से खाद्य उत्पाद बाजार में पहुँचाना
- ✓ सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स पर सीधी बिक्री

5. कृषि उद्यमिता – युवाओं का नया करियर मार्ग

आज कृषि केवल फसल उगाने तक सीमित नहीं है। इससे जुड़े असंख्य उद्यम युवाओं को आत्मनिर्भर और समृद्ध बना सकते हैं:

पशुपालन आधारित उद्यम:

- ✓ वैज्ञानिक डेयरी – HF, जर्सी, गिर नस्ल; स्वदेशी प्रसंस्करण और ब्रांडिंग
- ✓ Kadaknath एवं अन्य देशी मुर्गी पालन – जनजातीय क्षेत्रों में विशेष अवसर
- ✓ बकरी पालन – कम लागत, शीघ्र लाभ
- ✓ मधुमक्खी पालन – शहद, मोम, प्रोपोलिस; राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय माँग
- ✓ मत्स्य पालन – बायोफ्लॉक, केज कल्चर और RAS तकनीक



कृषि सेवा उद्यम:

- ✓ कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC) – ट्रैक्टर, श्रेशर, कंबाइन किराए पर देना
- ✓ ड्रोन सेवा केंद्र – स्प्रे, सर्वे और डेटा एनालिसिस
- ✓ मृदा परीक्षण एवं फार्म एडवाइजरी सेवाएँ
- ✓ वर्मी कम्पोस्ट और जैविक इनपुट उत्पादन
- ✓ एग्री-टूरिज्म – फार्म स्टे, प्रकृति शिक्षा केंद्र

6. डिजिटल अर्थव्यवस्था और एग्री-स्टार्टअप

सरकार RKVY-RAFTAAR, Startup India और राज्य स्तरीय Agri Incubator के माध्यम से कृषि स्टार्टअप को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है। युवा इन क्षेत्रों में अपना उद्यम शुरू कर सकते हैं:

- ✓ एग्री-टेक प्लेटफॉर्म – AI/ML आधारित फसल निदान और बाजार सलाह
- ✓ डिजिटल मंडी – eNAM और राज्य पोर्टल पर ऑनलाइन उत्पाद बेचना
- ✓ YouTube चैनल और Instagram पेज – कृषि शिक्षा और ब्रांड निर्माण
- ✓ Common Service Centre (CSC) – गाँव में डिजिटल सेवा केंद्र चलाना
- ✓ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन और एक्सपोर्ट – जैविक उत्पादों की विदेश में माँग
- ✓ एग्री-वेस्ट रिसाइक्लिंग – पराली, फलों के छिलके से बायोप्रोडक्ट

7. सरकारी योजनाएँ – युवा किसानों के लिए वरदान

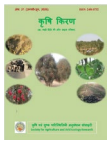
केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक योजनाएँ युवा किसानों और उद्यमियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं:

- ✓ PM-KISAN – प्रति वर्ष ₹6,000 की प्रत्यक्ष आय सहायता
- ✓ किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) – 4% ब्याज पर कृषि ऋण
- ✓ PMFBY (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना) – प्राकृतिक आपदा में सुरक्षा
- ✓ RKVY-RAFTAAR – कृषि स्टार्टअप के लिए अनुदान और मेंटरशिप
- ✓ MUDRA योजना – बिना गारंटी ₹10 लाख तक ऋण
- ✓ PM FME (सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम) – प्रोसेसिंग यूनिट पर 35% अनुदान
- ✓ राष्ट्रीय बागवानी मिशन – बागवानी स्थापना पर 40-50% सब्सिडी
- ✓ NABARD ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम – प्रशिक्षण और वित्त

8. कौशल विकास और प्रशिक्षण की भूमिका

कृषि में सफलता केवल मेहनत से नहीं, सही कौशल और ज्ञान से मिलती है। प्रशिक्षण संस्थाएँ इस दिशा में अहम भूमिका निभा रही हैं:

- ✓ कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) – जिला स्तर पर व्यावहारिक प्रदर्शन और प्रशिक्षण
- ✓ ATMA (कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी) – किसान मेला, भ्रमण, प्रशिक्षण



- ✓ RSETI (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) – उद्यमिता विकास
- ✓ MANAGE हैदराबाद – कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण
- ✓ कृषि विश्वविद्यालयों के इनक्यूबेशन सेंटर – स्टार्टअप सहायता
- ✓ डिजिटल कृषि प्रशिक्षण – eNAM, PMKVY, DigiLocker सहित

9. सामाजिक सोच में बदलाव – कृषि को गरिमा दिलाएँ

युवाओं को कृषि से जोड़ने की सबसे बड़ी बाधा सामाजिक कलंक (Social Stigma) है। इस सोच को बदलना उतना ही जरूरी है जितना सरकारी योजनाएँ लागू करना:

- ✓ सफल युवा किसानों की प्रेरक कहानियाँ – मीडिया और सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार
- ✓ 'युवा कृषि उद्यमी सम्मान' – राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार
- ✓ स्कूल-कॉलेज में 'कृषि करियर' काउंसेलिंग और जागरूकता कार्यक्रम
- ✓ कृषि मेले और हैकाथॉन – युवाओं की नवाचारी भागीदारी
- ✓ 'गाँव की ओर चलो' अभियान – युवाओं को ग्रामीण जीवन के प्रति आकर्षित करना

- ✓ पाठ्यक्रम में कृषि उद्यमिता – स्कूल स्तर से ही कृषि को करियर के रूप में प्रस्तुत करना

निष्कर्ष

युवा शक्ति और कृषि का संगम केवल एक आदर्श नहीं – यह भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट है। जब देश का युवा हाथ में स्मार्टफोन के साथ हल भी थामेगा, जब वह ड्रोन उड़ाते हुए फसल की निगरानी करेगा, जब वह किसान होने पर गर्व महसूस करेगा – तब ही असली कृषि क्रांति संभव होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार, कृषि संस्थाएँ, शिक्षण प्रतिष्ठान और समाज – सब मिलकर कृषि को अवसर, आय, आधुनिकता और सम्मान से जोड़ें। 'विकसित भारत 2047' का सपना तभी साकार होगा जब भारत की कृषि युवा हाथों में सुरक्षित हो।

"कृषि करना कमजोरी नहीं, यह राष्ट्र की सेवा है – और इसे करने वाला युवा सबसे बड़ा उद्यमी है।"